

वन्यजीव सुरक्षा सप्ताह

2 से 8 अक्टूबर, 2026



जुड़े आवास - वन्य जीवन का विकास संदेश

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हो रही है कि वन्य जीवों के महत्व एवं संरक्षण के प्रति जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पूरे देश एवं प्रदेश भर में 2 से 8 अक्टूबर, 2026 के दौरान वन्य जीव सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। इस वर्ष भारत सरकार द्वारा वन्यजीव सुरक्षा सप्ताह का थीम “जुड़े आवास-वन्य जीवन का विकास” (Connecting Habitats, Thriving Wildlife) है। वन एवं वन्यजीव विभाग द्वारा इस सप्ताह के दौरान अनेक जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

वन्यजीव संरक्षण केवल वन्य प्राणियों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके प्राकृतिक आवासों, वन्यजीव गलियारों और समूचे पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण से भी जुड़ा हुआ है। वन्यजीवों के सुरक्षित आवागमन एवं उनके प्राकृतिक आवासों की निरंतरता बनाए रखना जैव-विविधता तथा पर्यावरणीय संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी दृष्टि से वन्यजीवों के आवासों एवं गलियारों का संरक्षण एवं पुनर्स्थापना तथा संरक्षण कार्यों में स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी का विशेष महत्व है।

हरियाणा भौगोलिक दृष्टि से भले ही वन-सम्पदा की दृष्टि से सीमित राज्य है, लेकिन यहां वन्यजीव एवं जैव-विविधता की समृद्ध विरासत विद्यमान है। राज्य का वन क्षेत्र मात्र 3.5 प्रतिशत ही है, फिर भी राज्य के उत्तर में शिवालिक क्षेत्र जहां कलेसर राष्ट्रीय उद्यान हाथियों के लिए प्राकृतिक आवास क्षेत्र है, वहीं दक्षिणी हरियाणा में सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान प्रवासी पक्षियों के लिए पसंदीदा प्राकृतिक आवास है। साथ ही, अरावली क्षेत्र में भी विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों की विविधता पाई जाती है। इसके अलावा, राज्य में तीन चिड़ियाघर, एक हिरण पार्क, चार वन्यजीव प्रजनन केन्द्र तथा एक हाथी पुनर्वास केन्द्र भी वन्यजीवों के प्रति जागरूकता फैलाने तथा उनके संरक्षण के लिए स्थापित किए गए हैं। साथ ही, पिंजौर में स्थापित गिद्ध प्रजनन केन्द्र पूरे प्रदेश में ही नहीं बल्कि विश्व में अपना विशेष स्थान रखता है।

मैं सभी प्रदेशवासियों को वन्य जीव सुरक्षा सप्ताह-2026 के दौरान आह्वान करता हूँ कि हमारी प्राचीन गौरवशाली सभ्यता जिसमें वन्य जीवों के प्रति आदर एवं सद्भाव निहित है, उसे आगे बढ़ाएं तथा वन्य जीवों के संरक्षण में अपना योगदान दें।

मैं वन्य जीव सुरक्षा सप्ताह के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की सफलता की मंगल कामना करता हूँ।

- नायब सिंह सैनी
मुख्यमंत्री, हरियाणा



वन एवं वन्य जीव विभाग, हरियाणा

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा

www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana